



भारत और जापान के रिश्तों में एक बार फिर नई गर्माहट दिखी है। जापानानुसार के विदेश मंत्री की भारत यात्रा को टोक्यो ने बेहद अहम माना है। जापान कद साफ संदेश है कि भारत उसके लिए केवल रणनीतिक साझेदार नहीं, बल्कि भविष्य का स्वाभाविक सहयोगी है। इसी यात्रा के दौरान... ▶ पढ़ें पेज 12 पर...

बालों को सफेद होने से रोके:

देश के पश्चिम और पूर्व के लोककथाएँ लोगों के दिलों में ज़िदा हैं। हर कोई ऐसा नाम है जिसकी भारत के हर कोने में बच्चे छोटी आर से ही गुणगान करते हैं। उनकी पौराणिक जीवन कहानियाँ भारत की सीमाओं से परे दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों तक फैल गई हैं, जहाँ रामायण को आज भी थिएटर, संगीत, नृत्य, चित्रकला और मूर्तिकला में रचनात्मक रूप से दिखایा जाता है। संस्कृत में वाल्मीकि रामायण, हिंदी में तुलसीदास की रामचरितमानस, तमिल में कंबन की रामावतारम और श्री राम के महाकाव्य की कई और क्षेत्रीय कहानियाँ हजारों सालों से पूरे भारत में गूँज रही हैं। यह आम कहानी जो भाषाओं और रीति-रिवाजों से परे है, भारत को एकजुट करने वाले कारक के रूप में उनके कार्य को उजागर करती है। भारत से परे, रामायण का पूरे दक्षिण-पूर्व एशिया पर प्रभाव है; म्यांमार की रामाओस की कला, थाईलैंड की रामाकिनन, कंबोडिया की रीमनर और इंडोनेशिया की काकाविन रामायण सभी यह दर्शाते हैं कि राम के सिद्धांत विषय सांस्कृतिक परंपराओं में कितने गहरे बसे हुए हैं। राम के सिद्धांत सार्वभौमिक रूप से आकर्षक हैं।



